पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री ने ओड़िसा दिवस का उद्घाटन किया

लखनऊः 1 अप्रैल, 2018

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज संत गाडगे प्रेक्षागृह में अयोध्या शोध संस्थान एवं लखनऊ उड़िया समाज द्वारा आयोजित 'ओडिसा दिवस' समारोह का उद्घाटन किया। इस अवसर पर प्रमुख सचिव सूचना एवं पर्यटन श्री अवनीश अवस्थी, लखनऊ उड़िया समाज के अध्यक्ष श्री जी0पटनायक सहित बड़ी संख्या में उड़िया समाज के लोग उपस्थित थे।

राज्यपाल ने ओड़िसा दिवस की बधाई देते हुए कहा कि 1936 में भाषा एवं संस्कृति के आधार पर बंगाल से अलग होकर उड़िशा को एक राज्य का दर्जा प्राप्त हुआ। उड़िसा को प्रसिद्ध जगन्नाथ मंदिर एवं उसकी उत्सवधर्मी संस्कृति विशेष बनाती है। राज्यपाल ने कहा कि हमारा देश अति विशाल एवं समृद्ध संस्कृति वाला है परन्तु अनेकता में एकता इसके मूल में समाहित है। अपनी विविधता के लिए भारत पूरे विश्व में विख्यात है। भारतीय संस्कृति एवं विचार पूरे विश्व में प्रसारित हैं। प्रत्येक राज्य का अलग-अलग स्थापना दिवस है परन्तु देश की आत्मा एक हैं। यही भाव हमारे आपसी भाईचारे का आधार है। उन्होंने कहा कि समाज को विकसित करने में मातृभाषा का महत्वपूर्ण योगदान है।

श्री नाईक ने कहा कि उड़िसा दिवस की तरह अब उत्तर प्रदेश दिवस भी मनाया जा रहा है। इसने उत्तर प्रदेश के नागरिकों को जोड़ने का काम किया है। राज्यपाल ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का अभिनन्दन करते हुए कहा कि उन्होंने 1 मई, 2017 को राजभवन में आयोजित महाराष्ट्र दिवस के अवसर पर प्रतिवर्ष 24 जनवरी को उत्तर प्रदेश दिवस मनाने की घोषणा की थी। 1 मई को महाराष्ट्र एवं गुजरात को नये राज्य का दर्जा प्राप्त हुआ था। उन्होंने कहा कि आपसी सहयोग से देश, व्यापार एवं उद्योग सब कुछ बढ़ता है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि उड़िया समाज के रजत जयंती के अवसर पर लखनऊ में बनने वाले जगन्नाथ मंदिर की भी तैयारी पूर्ण होगी। उड़िया समाज पैसे देकर जमीन खरीदें और अपने संसाधन से मंदिर का निर्माण करे। उन्होंने कहा कि बगैर सरकारी मदद से आम लोगों की मदद से बनने वाला मंदिर ही श्रेष्ठ होता है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बधाई देते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की योजना 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' की कल्पना को साकार करते हैं। मुख्यमंत्री ने उड़िसा की समृद्ध परम्परा का उल्लेख करते हुए कहा कि जगन्नाथ पुरी एवं कोर्णाक का सूर्य मंदिर आस्था का केन्द्र है। जगन्नाथ रथ यात्रा पूरे देश में धूमधाम से निकाली जाती है। भारत में समान भाव की उपासना पद्धति है उनमें कोई भेद नहीं हैं। उन्होंने उड़िया समाज के अनुरोध पर लखनऊ में बनने वाले भगवान जगन्नाथ के मंदिर की जमीन के लिए राज्य सरकार के स्तर से सहयोग की भी बात कही।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जिस प्रकार 1936 में उड़िसा को अलग राज्य का दर्जा प्राप्त हुआ उसी प्रकार 1950 में उत्तर प्रदेश भी राज्य के रूप में स्थापित हुआ परन्तु 2018 तक उत्तर प्रदेश दिवस का आयोजन नहीं हुआ। राज्यपाल के प्रेरणा से उन्होंने प्रतिवर्ष 24 जनवरी को उत्तर प्रदेश दिवस मनाने का निर्णय किया। इस वर्ष उत्तर प्रदेश के विकास से जुड़ी विभिन्न संस्कृतियों को एक मंच पर लाकर 'एक जिला एक उत्पाद' जैसी महत्वाकांक्षी योजना लागू की गयी जिसके माध्यम से उत्तर प्रदेश का चहुंमुखी विकास करने को राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार सबके विकास के लिए संवेदनशील है।

इस अवसर पर लखनऊ उड़िया समाज के अध्यक्ष श्री जी0पटनायक ने सभी अतिथियों का स्वागत पुस्तक देकर किया। स्वागत उद्बोधन देते हुए उन्होंने कहा कि दक्षिण पूर्व एशिया में भारतीय संस्कृति पहुंचाने में उड़िसा का महत्वपूर्ण योगदान है। उत्तर प्रदेश में दूसरे प्रदेश के लोग वैसे ही हैं जैसे गंगा नदी में अन्य नदियों का जल मिलकर गंगा जल हो जाता है। उन्होंने उड़िसा की संस्कृति पर प्रकाश भी डाला।

प्रमुख सचिव श्री अवनीश अवस्थी ने कहा कि पुरी की भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा उड़िसा की खूबसूरती है। कार्यक्रम में अन्य लोगों ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम में अयोध्या पंचाग तथा स्मारिका 'निर्मालया' का विमोचन हुआ तथा मलेशिया से आये कलाकार रामली इब्राहिम व अन्य कलाकारों ने 'गंजम' एवं 'रामलीला' का भाव विभोर कर देने वाला मंचन किया।

अंजुम/ललित/राजभवन (129/1)

ओडिशा दिवस
Prof.D.R.Saha
Secretary
G.Pattanaik
President
Shri Yogi Adityanath
Shri RamNaik

Shri Yogi Adityanath
Shri RamNaik
Shri Jagat Raj